पर्युषण पर्व का 5वां दिन

उत्तम सत्य : सच का साहस, जीवन का सबसे बड़ा संबल

- डॉ. प्रगति जैन, बाकानेर

हम दूसरों से झूठ बोलने से पहले अक्सर एक बहाना खोज लेते हैं... लेकिन क्या कभी सोचा है कि हम खुद से कितनी बार झूठ बोलते हैं?

'मैं बिल्कुल ठीक हूं। '

'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। '

'मैं उससे नाराज़ नहीं हूं। '

'मुझे उसकी सफलता से कोई जलन नहीं। '

शब्द कुछ कहते हैं, लेकिन भीतर का मन कुछ और ही जानता है।

जैन दर्शन हमें सत्य को केवल 'सच बोलने' तक सीमित नहीं करता। सत्य आत्मा की निर्मलता से जुड़ा है। जैन धर्म के पंच महाव्रतों में सत्य का विशेष स्थान है। गृहस्थ जीवन में भी सत्य का पालन केवल वाणी से नहीं, बल्कि विचार, व्यवहार और आचरण की ईमानदारी से जुड़ा है।

इसीलिए पर्युषण का 'उत्तम सत्य' हमें सबसे पहले अपने भीतर झांकने की प्रेरणा देता है।

सबसे कठिन सत्य वह नहीं, जिसे हम दूसरों के सामने स्वीकार करते हैं। सबसे कठिन सत्य वह है, जिसे हम अपने सामने स्वीकार करने से बचते हैं।

'हां, मुझसे गलती हुई। '

'हां, मुझे ईर्ष्या हुई। '

'हां, मेरे शब्दों से किसी को दुख पहुंचा। '

इन बातों को स्वीकार करना आत्मसम्मान कम नहीं करता; बल्कि भीतर के अहंकार की एक परत हटाता है। जैन दर्शन में सत्य को अहिंसा से अलग करके नहीं देखा जा सकता। ऐसा सत्य जो अनावश्यक रूप से किसी के मन को चोट पहुंचाए, अपमान करे या कटुता बढ़ाए, वह सत्य के व्यापक भाव से दूर हो सकता है। इसलिए सत्य के साथ विवेक, संयम और करुणा भी आवश्यक हैं। यानी केवल यह देखना पर्याप्त नहीं कि 'मैं जो कह रहा हूं, वह सच है या नहीं '; यह भी देखना जरूरी है कि 'मैं यह सच किस भावना से और किस तरह कह रहा हूं। ' गलती होने पर बहाना बनाने के बजाय उसे स्वीकार करना कठिन हो सकता है, लेकिन यही व्यवहार विश्वास की नींव रखता है।

आज स्वयं से एक प्रश्न पूछिए– 'मैं कौन-सा सच जानता हूं, लेकिन स्वीकार नहीं करना चाहता?' शायद इसका उत्तर किसी और को देने की जरूरत नहीं है। यही आत्मचिंतन पर्युषण की साधना को हमारे दैनिक जीवन से जोड़ता है क्योंकि जैन दर्शन में आत्मशुद्धि बाहर से कुछ पाने की प्रक्रिया नहीं, भीतर से आवरण हटाने की प्रक्रिया है। सत्य हमें उसी दिशा में ले जाता है– जहां मन छल से हल्का होता है, वाणी संयमित होती है और आचरण पारदर्शी बनता है।

झूठ हमें कुछ समय के लिए परिस्थितियों से बचा सकता है, लेकिन सत्य हमें स्वयं से जोड़ता है। सत्य बोलने का साहस जरूरी है, लेकिन सत्य स्वीकार करने का साहस उससे भी बड़ा है। उत्तम सत्य का सबसे गहरा संदेश यही है–दुनिया के सामने सच्चे होने से पहले, अपने भीतर के सत्य के सामने खड़े होने का साहस कीजिए। क्योंकि जब मन, वचन और कर्म में सत्य उतरता है, तब केवल शब्द नहीं बदलते–जीवन की दिशा बदलने लगती है।

यही है उत्तम सत्य–

सच की आवाज बाहर सुनाई देने से पहले, भीतर सुनाई दे।

पुलिसकर्मी के अपशब्द कहने के विरोध में चक्काजाम, रात 12.15 बजे हंगामा खत्म

गणेश पंडाल बंद करवाने पहुंचे एसआई पर बच्चों से अभद्रता और प्रतिमा थाने ले जाने की धमकी का आरोप; हिंदू समाजजनों ने एसपी के नाम दिया आवेदन

भीकनगांव (पियूष अग्रवाल)। भीकनगांव। गणेशोत्सव के दौरान नगर के वार्ड क्रमांक 5 में गणेश पंडाल बंद करवाने पहुंचे एसआई एमएस बघेल पर बच्चों से कथित रूप से अपशब्द कहने और गणेश प्रतिमा को थाने ले जाने की धमकी देने के आरोप को लेकर शुक्रवार रात हंगामा हो गया। विरोध में हिंदू समाजजनों ने थाने के सामने खरगोन-खंडवा राजमार्ग पर गणेश की पार्थिव प्रतिमाएं लेकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने 'गणपति बप्पा मोरिया 'के जयकारे लगाते हुए संबंधित पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की मांग की।

थाने के सामने चक्काजाम, दोनों ओर लगी वाहनों की कतार– आवेदन और घटना को लेकर रात में लोगों का आक्रोश सड़क पर भी दिखाई दिया। कुछ लोग बच्चों के साथ गणेश प्रतिमा लेकर थाने के सामने बैठ गए। इसके बाद हिंदू समाजजनों ने राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। करीब 45 मिनट तक यातायात प्रभावित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। प्रदर्शनकारियों ने गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे लगाए और एसआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जनता की मांग के बाद पुलिसकर्मियों द्वारा गणेश प्रतिमा को ससम्मान वापस पंडाल में विराजित किया गया, जिसके बाद यातायात सुचारू हो सका। रात करीब 11 बजे शुरू हुआ हंगामा 12.15 बजे समाप्त हुआ।

भोला चौक पर भी पुलिस तैनात– इधर, भोला चौक स्थित गणेश पंडाल पर ईंट फेंके जाने की बात सामने आने के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर वहां पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। पूर्व युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रशांत भालसे ने कहा कि पुलिस की इस तरह की कार्यप्रणाली को लेकर जनता में आक्रोश है। पुलिस को जनता और विशेषकर बच्चों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए।

एसपी के नाम सौंपा आवेदन– मामले को लेकर शनिवार एसडीओपी आफिस पहुँच कर नगरवासियों ने पुलिस अधीक्षक खरगोन के नाम एसडीओपी केतन अडलक को आवेदन सौंपा। आवेदन में बताया गया कि वार्ड क्रमांक 5 में छोटे बच्चों द्वारा बाल गणेश मंडल का पंडाल स्थापित कर भगवान गणेश की प्रतिमा विधि-विधान से विराजित की गई है। यहां सुबह-शाम पूजा और आरती की जा रही है शुक्रवार की रात करीब 9.30 बजे बच्चे पंडाल में गणेशजी की आरती कर रहे थे। इसी दौरान भीकनगांव थाने के बीट प्रभारी एसआई एमएस बघेल एवं आरक्षक अर्पितसिंह चौहान पंडाल पहुंचे और लाइट व साउंड बंद करने को कहा। बच्चों ने शांति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार रात 11 बजे तक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होने की बात कही जिसके बाद एसआई बघेल ने बच्चों से कथित रूप से गाली-गलौज की तथा उनके माता-पिता और स्थापित गणेश प्रतिमा को उठाकर थाने ले जाने की धमकी दी। आवेदनकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारी नशे की हालत में थे और उनका व्यवहार उचित नहीं था। नगरवासियों ने आवेदन में कहा कि घटना से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से संबंधित अधिकारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई तथा एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। एसडीओपी केतन अडलक ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है जाँच कर नियम अनुसार कार्यवाही की जाएंगी।

अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस पर जन-जागरूकता अभियान

नागदा जं. निप्र। अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश जागरूकता दिवस (19 सितम्बर) के अवसर पर ब्लॉक खाचरोद अंतर्गत विभिन्न स्थानों एवं नागदा न्यायालय परिसर में सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक उपचार, भ्रांतियों के निवारण तथा समय पर सही चिकित्सीय प्रबंधन को लेकर विशाल जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नागदा में बीएमओ डॉ. संजीव कुमरावत, खाचरोद में डॉ. शिवराज कौशल तथा उन्हेल में डॉ. चरण एवं बीएल सोनी ने आमजन को सर्पदंश की भ्रांतियों और उससे बचाव के उपायों के प्रति विस्तार से जागरूक किया।

नागदा न्यायालय परिसर में आयोजित विशेष सत्र में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विवेक शुक्ला, चंद्रसेन मुवेल, व्यवहार न्यायाधीश मनीष पांडे, सोनम शर्मा तथा समस्त अधिवक्ता संघ को सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक सावधानियों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही, बीएमओ डॉ. संजीव कुमरावत ने समस्त मेडिकल अफसरों एवं स्वास्थ्य अमले के साथ सर्पदंश प्रबंधन (ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल) और रेफरल प्रोटोकॉल पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सर्पदंश होने पर क्या करें– मरीज को शांत रखें, मरीज को बिल्कुल न घबराने दें। घबराहट या भागने-दौड़ने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे जहर शरीर में तेजी से फैलता है। प्रभावित अंग को स्थिर रखें जिस हाथ या पैर में सांप ने काटा है, उसे हिलने-डुलने न दें और उसे हृदय के स्तर से नीचे रखें। गहने व टाइट कपड़े उतारें काटने वाली जगह पर सूजन आ सकती है, इसलिए अंगूठी, घड़ी, चूड़ी, एंकलेट व तंग कपड़े तुरंत हटा दें। करवट दिलाकर लिटाएं मरीज को एक तरफ करवट दिलाकर लिटाएं, ताकि उल्टी आने की स्थिति में सांस की नली प्रभावित न हो। तत्काल अस्पताल पहुंचे मरीज को बिना समय गंवाए नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं, जहां एंटी-स्नेक वेनम उपलब्ध है।

क्या न करें– काटने वाली जगह पर चीरा या कट न लगाएं। मुंह से जहर चूसने की कोशिश बिल्कुल न करें। घाव के ऊपर कसकर पट्टी या रस्सी न बांधें; इससे उस अंग में रक्त का प्रवाह रुकने से अंग खराब (गेंगरीन) हो सकता है। झाड़-फूंक, गुनिया या घरेलू नुस्खों में समय बर्बाद न करें। मरीज को शराब, चाय, कॉफी या कोई अन्य दवा न दें। सार्वजनिक संदेश सर्पदंश एक चिकित्सीय आपातस्थिति (मेडिकल इमरजेंसी) है। झाड़-फूंक के चक्कर में समय गंवाने के बजाय मरीज को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाकर वैज्ञानिक एवं सही इलाज कराएं।

नागदा के बंटू बोडाना बने अखिल भारतीय आदिम महासंघ के प्रदेश महासचिव

नागदा जं. निप्र। सामाजिक सरोकारों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए वर्ष 2007 से सक्रिय नागदा के युवा समाजसेवी बंटू बोडाना को अखिल भारतीय आदिम महासंघ, नई दिल्ली का मध्य प्रदेश प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। नियुक्ति से समाजजनों में हर्ष है। बोडाना विमुक्त, घुमंतु एवं अर्धघुमंतु सहित गरीब, पीड़ित, वंचित, दलित, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रहे हैं। आवास, शिक्षा, भू-अधिकार और मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे वे लगातार उठाते रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप सिंह भरवड़िया गांधीनगर, राष्ट्रीय महासचिव बबन डी. गोरामन नागपुर की सहमति, राष्ट्रीय सलाहकार अंबाराम परमार की अनुशंसा तथा प्रदेश अध्यक्ष शिवनारायण गुजराती राजगढ़ के निर्णय से उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। बोडाना अब मध्य प्रदेश के 71 समुदायों की समस्याओं और मांगों को शासन के समक्ष उठाने तथा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को उसका हक दिलाने के लिए कार्य करेंगे। नियुक्ति पर समाजजनों, युवाओं एवं शुभचिंतकों ने बधाई दी।

न्यायालय परिसर में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नागदा जं. निप्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के निर्देश पर तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष जिला और अपर सत्र न्यायाधीश विवेक शुक्ला के मार्गदर्शन में नागदा न्यायालय में मेगा स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन शनिवार 19 सितम्बर को किया गया। इस शिविर में न्यायाधीशगण विवेक शुक्ला, चंद्रसेन मुवेल, मनीष पांडे, सोनम शर्मा ने सहभागिता कर अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया इनके साथ ही अभिभाषकगण, न्यायिक कर्मचारियों, न्यायालय में पदस्थ पुलिस कर्मियों आदि ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपने स्वास्थ का परीक्षण करवा कर चिकित्सक परामर्श पर उपचार दवाई गोलियां प्राप्त कर उनका उपयोग अपने स्वास्थ्य के लिए किया,मेगा स्वास्थ जाँच शिविर में शासकीय चिकित्सालय नागदा में पदस्थ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर संजय कुमरावत, डॉ मलय वर्मा, फार्मासिस्ट संतोष जोशी, सहायक फार्मासिस्ट नितेश उपाध्याय ,मेल नर्स सोनू राठौर,ड्रेसर अनोखी प्रजापत,सहायक स्टाफ पवित्रा और कुमारी ख्वाईश ने अपने सेवाए देकर शिविर को सफलता प्रदान की,जानकारी अभिभाषक संघ अध्यक्ष विजय वर्मा सचिव जयेश जोशी ने संयुक्त रूप से दी।

23 सितंबर को नागदा में मनाया जाएगा नो यूपीआई पेमेंट डे

यूपीआई पर काला कपड़ा डालकर सांकेतिक विरोध करेंगे व्यापारी, नगर के समस्त व्यापारी संगठनों से सहभागिता की अपील

नागदा जं. निप्र। डिजिटल भुगतान व्यवस्था में यूपीआई के माध्यम से होने वाले लेन-देन से जुड़े शुल्क के विरोध में व्यापारी संगठनों द्वारा 23 सितंबर को नो यूपीआई पेमेंट डे मनाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान के तहत नागदा नगर के व्यापारी अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर लगे न्च्प् फत् कोड एवं भुगतान संबंधी उपकरणों पर काला कपड़ा डालकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करेंगे।

किराना व्यापारी संघ के तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में नगर के विभिन्न व्यापारी संगठनों को भी सहभागी बनने का आह्वान किया गया है। व्यापारी संगठनों का कहना है कि वर्तमान समय में अधिकांश ग्राहक डिजिटल माध्यम से भुगतान करते हैं और न्च्प् व्यापारिक लेन-देन का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में इससे संबंधित किसी भी प्रकार के शुल्क का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव व्यापारियों पर पड़ता है। इसी विषय को लेकर व्यापारी वर्ग की एकजुटता प्रदर्शित करने तथा संबंधित विषय की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से 23 सितंबर को सांकेतिक रूप से नो यूपीआई पेमेंट डे मनाया जाएगा। इस दौरान व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर न्च्प् फत् कोड पर काला कपड़ा डालकर विरोध दर्ज कराने की अपील की गई है।

व्यापारियों से एकजुट होने का आह्वान– किराना व्यापारी संघ के मुख्य संयोजक मनोज राठी एवं अध्यक्ष मनीष सालेचा व्होरा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान किसी एक व्यापारी संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर के समस्त व्यापारी संगठनों और व्यापारियों से इसमें सहभागिता का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सामूहिक रूप से आवाज उठाना आवश्यक है। उन्होंने नागदा नगर के सभी व्यापारियों से अपील की कि वे 23 सितंबर को अपने-अपने प्रतिष्ठानों पर न्च्प् पर काला कपड़ा डालकर नो यूपीआई पेमेंट डे में सहभागी बनें तथा इस सांकेतिक विरोध के माध्यम से व्यापारी एकता का परिचय दें। व्यापारी संगठनों की ओर से कहा गया है कि यह विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण एवं सांकेतिक रूप से किया जाएगा। अभियान के माध्यम से व्यापारी वर्ग अपनी मांगों और चिंताओं को संबंधित स्तर पर ध्यान आकर्षित करवाना है।

कर्नावट परिवार के निवास पर पहुंचेगी 28 वीं नवकार कलश यात्रा

21 सितंबर को श्री पार्श्व प्रधान पाठशाला भवन से निकलेगी यात्रा, नवकार महामंत्र की आराधना से गूंज रहा नागदा

नागदा जं. निप्र। राजा जन्मेजय की धर्मनगरी नागदा में अहिंसा परमो धर्मः के संदेश के साथ नवकार महामंत्र की आराधना का पावन आयोजन साध्वी श्री अर्हमव्रता श्रीजी आदि ठाणा-4 के पावन सान्निध्य एवं श्रीसंघ की उपस्थिति में जारी है। साध्वी श्री गुरुमया सागरानंद सूरिजी समुदायवर्ती परम पूज्य साध्वी श्री चिद्व्रता श्रीजी को समर्पित 36 दिवसीय नवकार मंत्र से अभिमंत्रित नवकार कलश यात्रा का शुभारंभ 23 अगस्त को हुआ था। इसी क्रम में 21 सितंबर को 28वीं नवकार कलश यात्रा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ निकाली जाएगी। मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि 36 दिवसीय नवकार कलश यात्रा के दौरान प्रतिदिन लाभार्थी परिवारों के निवास पर नवकार कलश ले जाया जा रहा है। नवकार महामंत्र से अभिमंत्रित कलश की उपस्थिति में श्रद्धालु महामंत्र का जाप एवं आराधना कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। यात्रा श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना, भक्ति एवं नवकार महामंत्र की आराधना से जोड़ने का माध्यम बन रही है।

शनिवार को ओरा परिवार के निवास पर हुआ धार्मिक आयोजन– इसी कड़ी में शनिवार को बाबूलाल एवं राकेशकुमार ओरा परिवार के दिगम्बर जैन गली स्थित निवास पर धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। प्रातः 9 बजे पोषधशाला से साध्वी मंडल एवं समाजजन चल समारोह के रूप में ओरा परिवार के निवास पर पहुंचे। यहां साध्वी श्रीजी के प्रवचन हुए। इसके पश्चात नवकार महामंत्र का जाप एवं आराधना की गई।

रविवार को ओसतवाल परिवार के निवास पर होगा आयोजन– इसी धार्मिक श्रृंखला में रविवार को धीरजकुमार अमृतलाल ओसतवाल परिवार के ओझा कॉलोनी स्थित निवास पर धार्मिक आयोजन होगा। साध्वी मंडल के सान्निध्य में नवकार महामंत्र का जाप, आराधना एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें समाजजन एवं श्रावक-श्राविकाएं सहभागी होकर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे।

21 सितंबर को कर्नावट परिवार के निवास पहुंचेगी 28 वीं नवकार कलश यात्रा– 21 सितंबर को निकलने वाली 28 वीं नवकार कलश यात्रा श्री पार्श्व प्रधान पाठशाला भवन से प्रारंभ होकर लाभार्थी प्रेमलता स्व. रमेशचन्द्र कर्नावट परिवार के पाल्या रोड स्थित निवास पर पहुंचेगी। यात्रा ढोल-धमाकों के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक निकाली जाएगी। कर्नावट परिवार के निवास पर साध्वी श्रीजी के प्रवचन, नवकार महामंत्र की आराधना एवं धार्मिक आयोजन का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं के शामिल होने की संभावना है।

पुलिया निर्माण में लापरवाही पांच दिन से बंद है मार्ग

पत्थरों पर सीमेंट-कांक्रीट की स्लैब डालने से टूटा आधार, राहगीर परेशान

नागदा जं. निप्र। वार्ड क्रमांक 5 में मुख्य मार्ग पर टेलीफोन टावर के पास नाले की पुलिया निर्माण में लापरवाही का मामला सामने आया है। नगर पालिका नागदा के ठेकेदार द्वारा नाले पर पहले पत्थर रखकर उसके ऊपर सीमेंट-कांक्रीट की स्लैब भर दी गई। वजन के कारण पत्थर टूट गए, जिससे सीमेंट-कांक्रीट की सामग्री भी खराब हुई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि उक्त मार्ग विगत पांच दिनों से बंद है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। पुलिया निर्माण में बरती गई लापरवाही और मार्ग बंद होने से नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।